THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): (a) to (d) The estimated Internal & Extra Budgetary Resource generation by the PSUs under the Ministry of Steel (on current prices) during Eighth Five Year Plan and Ninth Five Year Plan are indicated below:

(Rs. in crores)

	8th Plan (Anticipate	9th Plan (Projected)	
1. Internal Resources	5150.30	9543.50	85
2. market	2575.00	5099.00	
3. ECB/Suppliers	143193	1036.00	15
4. Others	4599.16	3794.50	
Total:	13757.39	19473.00	41.5

The Ninth Five Year Plan proposals of this Ministry are yet to be approved by the Government.

इस्पात उद्योग को उत्पाद शुल्क में रियायत

3152. **श्री रामजीलाल**: क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय वित्त मंत्री ने इस्पात उद्योग को बढ़ावा देने के लिए उत्पाद शुल्क में कुछ रियायतें देने का वचन दिया है,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है,

(ग) इस्पात उद्योग पर इसका क्या प्रभाव होगा और इससे उद्योग को किस हद तक बढ़ावा मिलेगा, और

(घ) इस संबंध में ब्यौरा क्या है?

इस्पात मंत्री तथा खान मंत्री (श्री बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य): (क) वित्त मंत्री ने 1997-98 के बजट में लोहे और इस्पात पर उत्पाद शुल्क में कोई परिवर्तन प्रस्तावित नहीं किया है।

(ख) से (घ) उपरोक्त (क) को मद्देनजर रखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

Mechanisation of Kuteshwar Mines

3153. SHRI GAYA SINGH: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether there is any proposal for Departmental Mechanisation of Kuteshwar Mines R.M.D., SAIL, under consideration; and

(b) if so, details thereof?

THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): (a) and (b) SAIL's corporate plan envisages development of Kuteshwar limestone mine to produce 3.0 million tonnes per annum. A Feasibility Study was commenced which recommended departmental mechanisation of Kuteshwar Mine in two phases. Phase I of the project is for processing of 7.0 lakh tonnes of run-of-mine to yield about 5 lakh tonnes of limestone, and Phase II is for mechanisation of Kuteshwar Mine to the capacity of 3.0 million tonnes per annum.

Phase I has since been sanctioned.

त्रीपुरा और गुजरात में इस्पात संयंत्र

3154. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे**: क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(**क**) पिछले दो वर्षों के दौरान और अब तक त्रिपुरा और गुजरात सरकार से नये इस्पात संयंत्रों को लाइसेंस जारी करने और उनके विस्तार हेतु प्राप्त आवेदनों का ब्यौरा क्या है,

(ख) इन दो श्रेणियों के अंतर्गत अलग-अलग कितने आवेदन स्वीकृत किए गए,

(ग) इनमें से कितने आवेदन लंबित है और इसके क्या कारण है, और

(घ) लंबित आवेदनों के कब तक निपटा दिए जाने की संभावना है?

इस्पात मंत्री तथा खान मंत्री (श्री बीरेन्द्र प्रसात बैश्य): (क) पिछले दो वर्षों के दौरान केन्द्र सरकार को त्रिपुरा और गुजरात सरकार से नए इस्पात संयंत्र स्थापित करने के लिए उन्हें लाईसेंस जारी करने अथवा विस्तार करने के लिए कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

(ख) से (घ) उपरोक्त (क) को मद्देनजर रखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियं के लिए प्रशिक्षण शिविर

3155. **श्री महेश्वर सिंह**: क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भिलाई इस्पात संयंत्र के आशुलिपिकों और अन्य कर्मचारियों के लिए एक अल्पकालिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का सुझाव दिया गया था ताकि कर्मचारियों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा सके और आशुलिपिक द्विभाषी निपुणता प्राप्त कर सके,

(ख) क्या इससे पहले ऐसा ही प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था, और

(ग) यदि हां, तो आशुलिपिकी और टंककों के लिए प्रतिवर्ष इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के लिए क्या कार्यवाही की गई है?

इस्पात मंत्री तथा खान मंत्री (श्री बीरेन्द्र प्रसात बैश्य): (क) और (ख) हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के संबंध में भिलाई इस्पात संयंत्र में आशुलिपिकों और टंककों के लिए कार्यशाल आयोजित करने के संबंध 1 में सितम्बर, 1996 में एक पत्र प्राप्त हुआ था। आशुलिपिकों के लिए 1987, 1990 और 1992 में कार्यशालाएं आयोजित की गई थी।

(क) राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए वार्षिक कार्य योजना के अनुसार भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा 1996-97 से आशुलिपिकों और टंटकों के लिए प्रत्येक वर्ष एक कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

Production Targets of SAIL

3156. SHRI BHAGABAN MAJHI: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) the target of production set by Government for SAIL and its subsidiaries for
1996-97;

(a) whether it has been achieved;

(b) if so, details thereof, metal-wise; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA); (a) to (c) The target visa-vis actual production of saleable steel for SAIL and its subsidiaries during the year 1996-97 are given below metal-wise;—

(000 T)

	Target	Actual production	Percentage fulfilment of target
Steel Authority f India Ltd. (SAIL)			
Mild Steel	9300	8901.6	96
Special	260	333.3	128
Total	9560	9234.9	97
Subsidiaries			
HSCO	362	338.6	93
V1SL	86	60.7	71

(d) The reasons for shortfall in the achievement of the targets are attributable to stabilisation of modernisation facilities, sluggish market behaviour etc.

Disinvestment of Hindustan Steel Works Construction Limited

3157.SHRI BRATIN SENGUPTA. Will the Minister of STEEL be pleased to state;

(a) whether it is a fact that there has been 100% disinvestment of Hindustan Steel Works Cosntruction Limited, Calcutta;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether Government have received any request from the employees to refrain from such disinvestment in the interest of the HSWCL;

(d) if so, the reaction of Government to their geniune request alongwith details thereof; and

(e) if so, whether their request could not been acceded to, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA) (a) No. Sir.

(b) Does not arise.

(c) No, Sir.

(d) and (e) Do not arise.

Donation by SAIL

3158. SHRI VEDPRAKASH P. GOYAL: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that SAIL has donated more than rupees ten crores to fifty-five sundry organisations in the past three years;

(b) if so, was there any budgetary provision for publicity or social service projects, duly approved by the Board for such donations; and

(c) the criteria of donations to these recipients?

THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): (a) to (c) SAIL being one of the largest public sector undertakings is very often approached for donations. Accordingly, Board of Directors of SAIL provide in SAIL's budget, certain amount for donations in order to give financial help for medical, educational, cultural and sports promotional activities etc.